श्रीनिधि

अंडों व मांस प्रयोजन हेतु विकसित ग्रामीण कुक्कुट नस्ल

भाकृअनुप - कुक्कुट अनुसंधान निदेशालय

आईएसओ (ISO) 9001-2008

राजेंद्रनगर, हैदराबाद

सरदार पटेल भाकृअनुप उत्कृष्ट संस्थान

संपूर्ण कुक्कुट पालन उद्योग नगरीय व उपनगरीय क्षेत्रों के आस - पास संकेंद्रित है । कुक्कुट उत्पादों की उपलब्धता और उपभोग प्रतिमानों में नगरीय तथा ग्रामीण क्षेत्रों के मध्य व्यापक अंतर विद्यमान है । ग्रामीण क्षेत्रों में 5-20 अंडे व 750 ग्राम कुक्कुट मांस के विपरीत शहरी क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति अंडे और कुक्कुट मांस का उपभोग क्रमशः 100-150 अंडे और 3-5 किलोग्राम के मध्य है । इसके अतिरिक्त, ग्रामीण/जनजातीय क्षेत्रों में ये कुक्कुट उत्पाद उनकी अनुपलब्धता के कारण महंगे (10-40%) हैं। हमारे देश में ग्रामीण परिवार, प्रमुख भोजन के रुप में चावल और गेहूँ का उपभोग करते हैं, जिनमें ऊर्जा की अधिकता और प्रोटीन की न्यूनता के फलस्वरुप ग्रामीण जनता में प्रोटीन की कमी लक्षित होती है । इससे विशेषकर गर्भवती स्त्रियां, दुग्ध पान कराने वाली माताएँ और बढते बच्चे कई सामान्य रोगों के प्रति संवेदी हो रहे हैं। ग्रामीण/जनजातीय क्षेत्रों के घर-आंगन, ''प्राकृतिक खाद्य आहार'' (बिखरे पड़े धान्य, कीडे-मकोडे, केंचुए, रसोईघर अपशिष्ट एवं हरी घास आदि) के प्रचुर स्त्रोत हैं। इन व्यर्थ खाद्य पदार्थों को पोषण की दृष्टि से संतुलित और स्वादिष्ट अंडे व कुक्कुट मांस में परिवर्तन द्वारा मानव आहार श्रृंखला में पुनः चक्रित किया जा सकता है। ग्रामीण कुक्कुट पालन के अनुकूलन से अतिरिक्त आय उपलब्ध कराने के साथ ही प्रोटीन की भूख को कम किया जा सकता है।

श्रीनिधि, कुक्कुट अनुसंधान निदेशालय द्वारा विकसित एक द्विउद्देशीय कुक्कुट नस्ल, में देशी कुक्कुट की तुलना में अधिक अंडे व मांस उत्पादन करने की क्षमता है। इन पक्षियों में ''प्राकृतिक खाद्य आहार'' को पुनः चक्रित करते के साथ-साथ अपशिष्ट खाद्य को उच्च गुणवत्ता की प्रोटीन में परिवर्तित करने की भी योग्यता है, जो ग्रामीण/जनजातीय जनता के लिए सहजता से उपलब्ध है।

श्रीनिधि की प्रमुख विशेषताएं

- आकर्षक एवं बहुरंगी पंख
- लंबी टांगें (परभक्षियों से बचकर भागने हेतु)
- उच्च प्रतिरक्षा क्षमता
- अल्प पोषण पर अच्छा प्रदर्शन
- देशी मुर्गियों की तुलना में तीव्रता से विकास
- भूरे रंग के अंडों का अधिक उत्पादन

मुक्त क्षेत्र परिस्थितियों में, जहां प्राकृतिक आहार संसाधन प्रचुरता से उपलब्ध हैं, वहां अंडों व मांस के लिए लघु संख्या (10-20) में पक्षियों को पाला जा सकता है। एक दिन की आयु वाले श्रीनिधि चूजों को पशुगृह (नर्सरी) प्रबंधन के अंतर्गत 4-6 सप्ताह तक पाला जा सकता है और छः सप्ताह की आयु के पश्चात् उन्हें खुले प्रांगण में छोडा जा सकता है।

पशुगृह प्रबंधनः

श्रीनिधि चूजों को अंडे निकलने से लेकर 4-6 सप्ताह की आयु तक मौसम के आधार पर आवश्यक तापमान, संतुलित आहार और परभक्षियों से संरक्षण प्रदान करने हेतु अंडा सेनन आवश्यक है।

अंडा सेनन गृहः

ब्रूडर में स्वच्छ तृण सामग्री (मूंगपली का छिलका (भूसी) / धान का भूसा / लकड़ी का बुरादा) को 2-3 इंच की मोटाई में एकरुपता से फैला दें। तृण सामग्री (बिचौली) पर पुराने समाचार पत्र बिछा दें। अन्न- पात्रों (खाद्य संभरकों) और पेयजल पात्रों को विकल्पतः व्यवस्थित करें। 4-6 सप्ताह की आयु तक 2 वॉट / चूजा के ऊष्मीय स्त्रोत पर्याप्त होते हैं। उच्चतर पर्यावरणीय तापमान होने पर, पक्षी ऊष्मीय स्त्रोत से दूर चले जाते हैं। यदि पर्याप्त ठंड है तब चूजे निकट आकर ऊष्मीय स्त्रोत के पास एकत्रित हो जाते हैं। ब्रूडर में चूजों का एकसमान फैलाव अभीष्ट तापमान का संकेत देता है।

दानाः

नर्सरी प्रबंधन के अंतर्गत पक्षियों को पालते समय सभी पोषक तत्वों निहित संपूर्ण संतुलित दाना दिया जाना चाहिए। खाद्य संभरकों और पेयजल पात्रों को एक के बाद एक क्रम से व्यवस्थित करना चाहिए। प्रारंभिक दो दिन, अंडे सेनन गृह में बारीक पिसी हुई मकई को सामाचार पत्र पर फैलाना चाहिए। सभी चूजों को आहार (दाना) की आसान पहुँच सुनिश्चित महत्तवपूर्ण होता है। पशुगृह पालन में श्रीनिधि चूजों को 2550 किलो कैलोरी एमई, 18 प्रतिशत प्रोटीन, 0.85 प्रतिशत लाइसिन, 0.36 प्रतिशत मिथियोनाइन, 0.35 प्रतिशत उपलब्ध फास्फोरस और 0.7 प्रतिशत कैल्शियम की आवश्यकता होती है। छः सप्ताह की आयु के दौरान व्यावसायिक रुप से उपलब्ध लेयर कृषक आहार

या ब्रायलर आहार को उन्हें खिलाया जा सकता है। उपर्युक्त पोषक तत्व विशिष्टियाँ (सारणी तालिका -।) को प्राप्त करने के लिए स्थानीय रुप से उपलब्ध खाद्य सामग्रियों का उपयोग करते हुए आहार को प्रतिपादित किया जा सकता है।

तालिका -1: **स्थानीय रुप से उपलब्ध खाद्य सामग्रियों के साथ आहार तैयार करना**

मकई / बाजरा / ज्वार / रागी / चावल की कनकी आदि	50 भाग
चावल की भूसी / गेहूँ की भूसी / तेल रहित चावल की भूसी आदि	20 भाग
सोयाबीन दाना / मूँगफली का चूरा / सूरजमुखी दाना / तिल केक/ अलसी केक	28 भाग
विटामिन और खनिज मिश्रण	2 भाग

स्वास्थ्य सुरक्षाः यद्यपि श्रीनिधि की प्रतिरक्षा क्षमता बेहतर है, उन्हें रानीखेत रोग और मुर्गी चेचक के विरुद्ध संरक्षण की आवश्यकता होती है। टीकाकरण अनुसूची तालिका - 2 में दी गयी है।

सारणी - 2: **श्रीनिधि कुक्कुट हेतु टीकाकरण कार्यक्रम**

आयु	टीके का नाम	विकृति / प्रवृत्ति	खुराक	पद्धति
कृत्रिम अंड सेनन गृह में				
प्रथम दिन	मारेक्स रोग	एचवीटी	0.20 मिली	एस सी इंजेक्शन
नर्सरी में				
पांचवें दिन	रानीखेत रोग	लसोटा	एक बूँद	आंख में
चौदहवें दिन	संक्रामक बरसल रोग	जॉर्जिया	एक बूँद	मौखिक
इक्कीसवें दिन	चेचक	पक्षी चेचक	0.20 मिली	आई एम / एस सी इंजेक्शन
अट्ठाइसवें दिन	रानीखेत रोग	लसोटा	एक बूँद	आंख में
खुले क्षेत्र में				
नवें सप्ताह	रानीखेत रोग*	आर टू बी	0.50 मिली	एस सी इंजेक्शन
बारहवें सप्ताह	चेचक*	मुर्गी चेचक	0.20 मिली	एस सी इंजेक्शन

* ये टीके हर छः महिने के अंतराल में दोहराये जाएँ

मुक्त क्षेत्र प्रबंधन

छह सप्ताह की आयु में, पक्षी 600- 650 ग्राम शरीर भार (तालिका -3) ग्रहण कर लेते हैं। इन पक्षियों को घर के पिछवाड़ों में मुक्त क्षेत्र परिस्थितियों के अंतर्गत उपलब्ध प्राकृतिक खाद्य तथा क्षेत्र के आधार पर 10-20 पक्षी / गृह की दर से खुला छोड़ा जा सकता है। पक्षियों को दिन के समय आहार की खोज में खुला छोड़ा जाता है और रात्रि में आश्रय में रखा जाता है। रात्रि आश्रय से मुक्त करने से पहले उन्हें प्रति दिन स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना चाहिए। नरों को न्यूनतम 2.0 से 2.5 किग्रा शरीर भार प्राप्त करने के बाद कभी भी विक्रय किया जा सकता है। श्रीनिधि के मादा पक्षी, मुक्त क्षेत्र परिस्थितियों में प्रति वर्ष औसतन 140-150 अंडे देते हैं।

दाना: सामान्यतया, श्रीनिधि पक्षी, मुक्त क्षेत्र अवस्थाओं में घर आंगन में विचरण द्वारा (खेतों की चुगाई से) दाना ग्रहण करके अपनी प्रोटीन आवश्यकताओं को पूर्ण कर लेते हैं। एक बार अनुकूलित होने के पश्चात् ये पक्षी घर आँगन से सरलता से अपना भोजन ग्रहण कर लेते हैं।

अत: पक्षियों को उपलब्ध अनाज (बाजरा, रागी, ज्वार, कोर्रा, चावल की कनकी, पालिश किया हुआ चावल, चावल की भूसी आदि) प्रदान करना उत्पादन को बनाए रखने के लिए सर्वदा लाभदायक होता है। ये दाने प्रतिदिन, सायंकाल के समय (10-20 ग्राम / पक्षी) दिए जा सकते हैं। मांस उद्देश्य हेतु पक्षियों को व्यावसायिक ब्रॉयलर चूजा आहार देने का सुझाव दिया जाता हैं। यदि पक्षियों को अंडे उत्पादन के उद्देश्य के लिए पाला जा रहा हो, तब पक्षियों को मुख्यतया मुक्त क्षेत्र परिस्थितियों में उपलब्ध भोजन पर आश्रित होना चाहिए। सावधानी बरती जाए कि बेहतर उत्पादन हेतु बीस सप्ताह की आयु मे मादा (Pullets) का वज़न 1.9 से 2.0 किलोग्राम होना चाहिए। इससे कम या अधिक शरीर भार, कुल अंडे उत्पादन को कम कर सकता है। कैल्शियम स्त्रोतों (चूने का चूर्ण, सीपी चूर्ण, पत्थर का चूर्ण आदि) को 3-4 ग्राम प्रति पक्षी प्रति दिन अनुपूरित करने से टूटे-फूटे या आवरण-विहीन अंडों को कम किया जा सकता है।

स्वास्थ्य सुरक्षा :

मुक्त क्षेत्र पालन में कुक्कुटों को सर्वाधिक प्रभावित करने वाला महत्वपूर्ण रोग - रानीखेत रोग है। रात्रि आश्रय अच्छी तरह वातानुकूलित, पर्याप्त प्रकाशयुक्त तथा संरक्षित होना चाहिए। रात्रि आश्रय के लिए प्रयुक्त पदार्थ यथा लकडी और बांस, बाह्य परजीवियों के लिए एक उपयुक्त छिपने का स्थान होते हैं। चूँकि चूजे मुक्त क्षेत्रों में संचलन करते हैं अत: उन्हें परजीवी प्रकोप की अधिक संभावना होती है। प्रत्येक 2-3 माह के अंतराल में कृमि मुक्ति की आवश्यकता होती है। मुक्त क्षेत्र परिस्थितियों में वयस्क श्रीनिधि कुक्कुटों का रानीखेन रोग के विरुद्ध छः महीनों के अंतराल में, प्रधानत: ग्रीष्म ऋतु के आरंभ से पूर्व टीकाकरण किया जाना चाहिए।

आपूर्ति

श्रीनिधि के उर्वर अंडे इस निदेशालय में भुगतान के आधार पर विक्र य हेतु सभी कार्यदिवसों में उपलब्ध हैं। सेनन के लिए रखने तक अंडों को ठंडे स्थान में संचित / भंडारित करना चाहिए। बेहतर सेननता के लिए 10-12 अंडों को देशी ब्रूडी मादा कुक्कुट (मुर्गी) के नीचे सेने के लिए रखना चाहिए।

सारणी - 3 श्रीनिधि पक्षियों का निष्पादन

आर्थिक लक्षण	निष्पादन
शरीर भार, ग्राम	
छह सप्ताह	600-650
बीस सप्ताह	1700-2000
अंडा भार, ग्राम	
अट्ठाईस सप्ताह	48-50
चालीस सप्ताह	52-55
पहला अंडा देने की आयु (दिन)	165-170
वार्षिक अंडा उत्पादन	140-150
उत्तरजीविता, प्रतिशत (छः सप्ताह की आयु तक)	95

एक दिन की आयु के चूजे : अग्रिम भुगतान पर एक दिन की आयु के चूजे उपलब्ध हैं। भुगतान "निदेशक, कुक्कुट अनुसंधान निदेशालय, राजेन्द्रनगर, हैदराबाद - 500 030" के नामे डिमांड ड्राफ्ट भेज कर किया जा सकता है। चूजे प्राप्त करने वाले अपना पत्राचार हेतु संपूर्ण पता एवं फोन नंबर दें। डिमांड ड्राफ्ट प्राप्ति के बाद निदेशालय द्वारा आपूर्ति की तिथि सूचित की जाएगी।

ग्राहक कुक्कुटों को निदेशालय से प्राप्त कर सकते हैं। श्रीनिधि चूजे और उर्वर अंडे विभिन्न राज्यों में स्थित हमारे कुक्कुट बीज (मूल) परियोजना केंद्रों द्वारा भी उपलब्ध हैं। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाईट www.pdonpoultry.org पर पधारें।

भाकृअनुप - कुक्कुट अनुसंधान निदेशालय

आईएसओ (ISO) 9001-2008
राजेंद्रनगर, हैदराबाद – 500 030, भारत
दूरभाष: +91 (40) 24017000/240 15651/24018687
फ़ैक्स : +91 (40) 24017002
ईमेल : pdpoult@nic.in
वेबसाईट: www.pdonpoultry.org